>

Title: Need to revise the proposal to waive off of loans of farmers in Vidarbha region and other parts of Maharashtra.

श्री आनंदराव विठोबा अडसूल (बुलढाना) : सभापति महोदय, शून्यकाल के वक्त आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभारी हूं। मैं एक महत्वपूर्ण मुद्दा हाउस में रखना चाहता हूं। मैं विदर्भ से आता हूं जो आज महाराष्ट्र का हिस्सा है। दुर्भाग्य की बात है कि वह इलाका किसानों की आत्महत्या के बारे में मशहूर है। 6 जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढ़ाना, वर्धा इको सरकार ने भी आइडैंटिफाई किया है। ये आत्महत्याग्रस्त किसानों के इलाके हैं। उनके लिए एक पैकेज भी दिया गया था।

सभापति महोदय : आपकी पार्टी को बजट के समय बोलने का मौका मिला होगा।

श्री आनंदराव विठोबा अडसूल : यह बजट से अलग बात है। बजट कनक्लूड हो चुका है इसलिए इस बात को रखना चाहता हूं।

सभापति महोदयः अभी बजट कनक्लूड नहीं हुआ है। वह स्टैंडिंग कमेटियों में चर्चा के लिए जा रहा है।

श्री आनंदराव विठोबा अडसूल : मैं इस बात को जानता हूं। मैं सरकार की जानकारी में यह बात लाना चाहता हूं कि विदर्भ एक बैकवर्ड जिला है। वहां पूरी खेती वर्षा पर निर्भर है। बारिश ज्यादा होने पर फसल अच्छी होती है और कम बारिश होने पर फसल नहीं होती है। जो भी फसल आती है, उसका बाजार में अच्छा मूल्य नहीं मिलता है इसलिए किसान बैंकों या साहूकारों से कर्जा लेते हैं जिसे ने चुकाने पर आत्महत्या करने के लिए विवश होते हैं। बजट में दो हैक्टेयर यानी पांच एकड तक का प्रावधान किया गया है। दूसरी, दुर्भाग्य की बात यह है कि विदर्भ में पांच हैक्टेयर से ज्यादा लोग यानी 67 परसेंट ...(व्यवधान)

सभापति महोदयः आप अपनी मांग रखिए।

श्री आनंदराव विठोबा अडसूल : 67 परसेंट विदर्भ के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। इसलिए आत्महत्या का सिलसिला आगे भी चालू रहेगा। हम सरकार के ध्यान में लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं कि जो 5 एकड़ की लैंड सीलिंग लगायी है, विदर्भ के लिए कोई सीलिंग नहीं होनी चाहिए, हर किसान को कर्ज मुक्त करना चाहिए तभी आत्महत्याएं रुकेंगी।

सभापति महोदयः श्रीमती भावना पुंडलिकराव गवली, श्रीमती कल्पना रमेश नरहिरे और श्री हंसराज जी. अहीर इसके साथ एसोसिएट कर रहे हैं।